प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गाजर घास के उन्मूलन हेतु वैज्ञानिकों द्वारा दी गयी जानकारी

पंतनगर। 19 अगस्त, 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के अन्तर्गत गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन कार्यक्रम के तीसरे दिन, व्यवाहारिक फसल उत्पादन केन्द्र, में जागरूकता अभियान चलाया गया, वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. तेज प्रताप ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए जागरूकता अभियान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक वर्ष सप्ताहिक रूप में मनाया जा रहा है, जिसको सफल बनाने के लिए सभी को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहभागिता करने की जरूरत है। इस अवसर पर उपस्थित विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान, डा. के.एस. शेखर, प्रभारी, व्यवाहारिक फसल अनुसंधान केन्द्र, डा. सुनीता टी. पांडे एवं अन्य उपस्थित वैज्ञानिकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

इसी क्रम में चौथे दिन आदर्श पुष्प विज्ञान केन्द्र, में गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित संयुक्त निदेशक, फसल अनुसंधान केन्द्र, डा. वी.पी. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि गाजर घास कृषि के क्षेत्र में एक वैश्विक समस्या है, जिसके प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष जागरूकता एवं उन्मूलन अभियान चलाया जाता है। उन्होंने इसके प्रतियोगी पौधे चकौड़ा, लटजीरा एवं गेंदे के पौधों के बारे में भी बताया। डा. सिंह ने कहा कि गाजर घास का उपयोग कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाने के साथ-साथ कीटनाशी, शाकनाशी एवं औषधियों के रूप में भी कर सकते है। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक एवं प्रभारी आदर्श पुष्प विज्ञान केन्द्र, डा. वी.के. राव, वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. एस.पी. सिंह एवं वरिष्ठ शोध अधिकारी सस्य विज्ञान, श्री एस.के. चौधरी ने भी अपने विचार प्रकट किये। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चलचित्र के माध्यम से भी गाजर घास की जानकारी दी तथा वैज्ञानिकों द्वारा मास्क एवं दास्ताने भी वितरित किये गये। इस अवसर पर वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी सहित 50 लोगों ने भागीदारी की।

गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह के अन्तर्गत किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।